

दैनिक

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

R

मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर

17 मई के बाद बढ़ेगा LOCKDOWN

पीएम मोदी के मुताबिक- चौथे चरण में 18 मई से मिलेगी और छूट

संवाददाता

नई दिल्ली। लॉकडाउन 17 मई के बाद भी जारी रहेगा या हट जाएगा, इसको लेकर धुंध पूरी तरह छंट चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुख्यमंत्रियों के साथ बातचीत के बाद जारी बयान में स्पष्ट कर दिया गया है कि लॉकडाउन का चौथा चरण भी होगा। मतलब साफ है कि 17 मई को तीसरा चरण खत्म होने के बाद लॉकडाउन हटने नहीं जा रहा है। यह अलग बात है कि जिस तरह पहले के मुकाबले दूसरे चरण में और फिर दूसरे के मुकाबले तीसरे चरण में ढिलाई और छूट का दायरा बढ़ता गया। (शेष पृष्ठ 3 पर)



31 मई तक हो सकती है चौथे चरण की मियाद

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत कुछ मुख्यमंत्रियों ने 31 मई तक लॉकडाउन लागू रखने का सुझाव दिया। वहीं, राजस्थान समेत कुछ राज्यों ने लॉकडाउन को अपने यहां 31 मई तक बढ़ाने का फैसला कर लिया। उधर, उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद के डीएम ने भी जिले में 31 मई तक लॉकडाउन बढ़ाने का नोटिस जारी किया है।

डॉक्टर अमीरुन्निसा शेख ने की जनता से अपील



Dr Amirunnisa Shaikh
B.U.M.S (MUM), MD (AM) CCH, CGO

कोरोना की दहशत:

मुंबई से 2000
काली-पीली टैक्सी
और ऑटो यूपी-
बिहार के लिए खाना
(समाचार पृष्ठ 3 पर)



मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की मांग

मुंबई। देश में कोरोना वायरस का सबसे अधिक प्रकोप झेल रहे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कोविड-19 की समीक्षा बैठक में लॉकडाउन पर कोई भी फैसला सावधानीपूर्वक लिए जाने की अपील की है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

मुंबई में चलाई जाएं LOCAL TRAIN

उद्धव ठाकरे की
पीएम मोदी से
अपील- सेंट्रल फोर्स
की पड़ सकती है
जरूरत



कोरोना वायरस के कारण पूरे देश में लॉकडाउन लागू है। लोग अपने घरों में कैद हैं। डॉक्टरों की टीमों अपना सबकुछ एक तरफ रखकर मरीजों को ठीक करने में जुटी हैं। ऐसे में अंधेरी की रहने वाली डॉ. अमीरुन्निसा शेख ने इस वैश्विक संकट कोरोना से बचने के लिए मुंबई के रहवासियों से अपील की है कि मास्क के साथ दस्ताने जरूर पहनें। ताजे फल और सब्जियां खायें। सोशल डिस्टेंसिंग बनाकर रखें। जितना हो सके घर पर ही रहें। संक्रमण के खतरे से बचें। डॉ. अमीरुन्निसा शेख ने कहा कि हम डॉक्टर आपकी सेवा में हमेशा तत्पर हैं।

संपादकीय

रेल यात्रा की शुरुआत

लगभग 50 दिनों से बाधित सामान्य रेल सेवा की फिर शुरुआत एक ऐसी खुशखबरी है, जिसका हर किसी को इंतजार था। पहले चरण में राजधानी एक्सप्रेस की तर्ज पर ऐसी वातानुकूलित ट्रेनें चलेंगी, जो राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सहित देश के प्रमुख 15 शहरों को परस्पर जोड़ देंगी। ध्यान रहे, देश भर में फंसे श्रमिकों, छात्रों, तीर्थयात्रियों के लिए बड़ी संख्या में श्रमिक स्पेशल ट्रेन रेल विभाग चला रहा है और इसी सप्ताह करीब 1,500 श्रमिक स्पेशल ट्रेनों के चलने की संभावना है। श्रमिकों के लिए चली विशेष रेल सेवा जितनी जरूरी है, लगभग उतनी ही जरूरी है यह विशेष एसी रेल सेवा, जो न सिर्फ आर्थिक, बल्कि सामाजिक रूप से भी आम जनजीवन को आगे बढ़ाने में मददगार साबित होगी। देश में एक बड़ी उद्यमी, पेशेवर, सक्रिय आबादी है, जो लॉकडाउन के कारण ठहर गई है या कहीं फंसी हुई है, ऐसी आबादी के लिए ये विशेष ट्रेनें उपहार साबित होंगी। जब लॉकडाउन की शुरुआत हुई थी, तब किसी को अंदाजा नहीं था कि देश इतने लंबे समय तक के लिए ठहर जाएगा। आने वाले दिनों में भी लॉकडाउन में बहुत छूट की उम्मीद नहीं रखनी चाहिए, लेकिन यह जरूरी है कि लोगों को उनके जरूरी गंतव्य तक पहुंचने दिया जाए। यह हम सब जानते हैं कि भारत में रेल से बेहतर कोई परिवहन साधन नहीं है, रेल भारत में परिवहन तंत्र की रीढ़ है। भारत में कोरोना संकट से पहले प्रतिदिन 13,000 ट्रेनों में 2.3 करोड़ लोग सफर करते थे। ट्रेनों के बाधित होने से करोड़ों लोग जरूरी रेल यात्राओं से भी वंचित हो गए। अब सामान्य रेल सेवा की शुरुआत हो रही है, तो इसका अर्थ है, देश में फिर यात्रा की शुरुआत हो रही है। सरकार की योजनानुसार आने वाले दिनों में जरूरत के हिसाब से रेल सेवा धीरे-धीरे बहाल होती जाएगी और यह हर नजरिये से जरूरी भी है। अभी जो विशेष यात्री ट्रेनें चलेंगी, वे महंगी होंगी, जिनमें निम्न मध्यवर्ग के लिए सफर आसान नहीं होगा, लेकिन उम्मीद करनी चाहिए, जल्दी ही ऐसी ट्रेनें भी चलेंगी, जिनमें देश के सामान्य लोग भी पैसे देकर आसानी से सफर कर सकेंगे। रोज चलने वाली इन विशेष ट्रेनों को बीच में कुछ स्टेशनों पर रोकने का इंतजाम भी रेलवे को करना चाहिए। अभी जो ट्रेनें चली हैं, उनमें यात्रियों को खाने-पीने का इंतजाम स्वयं करना होगा, इसलिए इनमें उन्हीं लोगों को सफर करना चाहिए, जो सक्षम हैं। पूरा किराया अगर रेलवे वसूल रहा है, तो उसे इन ट्रेनों में खाने-पीने का इंतजाम भी जल्द ही कर देना चाहिए। यह भी जरूरी है कि केवल स्वस्थ लोग ही इन ट्रेनों में सफर का साहस करें और इसके लिए रेलवे को पुख्ता इंतजाम रखने चाहिए। कोई भी यात्री बिना जांच के सफर न कर सके और स्टेशन पर सभी यात्री समय से कम से कम एक घंटा पहले पहुंचें और अपनी पूरी जांच करवाएं। ध्यान देने की बात है, इन ट्रेनों में फिजिकल डिस्टेंसिंग के लिए बीच-बीच में बर्थ खाली नहीं रहेंगे। इन ट्रेनों के यात्रियों के लिए भी ऐसी यात्रा दोहरी परीक्षा की घड़ी होगी। उन्हें अपने साथ-साथ अपने साथी यात्रियों को भी सुरक्षित रखना होगा।

भारत के ये धान्शूर मुस्लिम अरबपति को बिल गेट्स का खिताब दिया गया है

अजीम प्रेमजी का जन्म २४ जुलाई १९४५ को मुंबई के एक निजारी इस्माइली मुस्लिम परिवार में हुआ। इनके पूर्वज मुख्यतः कच्छ गुजरात के निवासी थे। उनके पिता एक प्रसिद्ध व्यवसायी थे और राइस किंग ऑफ बर्मा के नाम से जाने जाते थे। विभाजन के बाद मोहम्मद अली जिन्नाह ने उनके पिता को पाकिस्तान आने का न्योता दिया था पर उन्होंने उसे ठुकराकर भारत में ही रहने का फैसला किया। सन १९४५ में अजीम प्रेमजी के पिता मुहम्मद हाशिम प्रेमजी ने महाराष्ट्र के जलगांव जिले में वेस्टर्न इंडियन वेजिटेबल प्रोडक्ट्स लिमिटेड की स्थापना की। यह कंपनी सनप्लावर वनस्पति और कपड़े धोने के साबुन ७८७ का निर्माण करती थी। उनके पिता ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए उन्हें अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय भेजा पर दुर्भाग्यवश इसी बीच उनके पिता की मौत हो गयी और अजीम प्रेमजी को इंजीनियरिंग की पढ़ाई बीच में ही छोड़कर भारत वापस आना पड़ा। उस समय उनकी उम्र मात्र २१ साल थी। भारत वापस आकर उन्होंने कंपनी का कारोबार संभाला और इसका विस्तार दोसरे क्षेत्रों में भी किया। सन १९८० के दशक में युवा व्यवसायी अजीम प्रेमजी ने उभरते हुए इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के महत्त्व और अवसर को पहचाना और कंपनी का नाम बदलकर विप्रो कर दिया। आई.बी.एम. के निष्कासन से देश के आई.टी. क्षेत्र में एक खालीपन आ गया था जिसका फायदा प्रेमजी ने भरपूर उठाया। उन्होंने अमेरिका के सेंटिनल कंप्यूटर कारपोरेशन के साथ मिलकर मिनी-कंप्यूटर बनाना प्रारंभ कर दिया।



इस प्रकार उन्होंने साबुन के स्थान पर आई.टी. क्षेत्र पर ध्यान केन्द्रित किया और इस क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित कंपनी बनकर उभरे। अजीम प्रेमजी का विवाह यास्मीन के साथ हुआ और दंपति के दो पुत्र हैं रिषद और तारिक। रिषद वर्तमान में विप्रो के आई.टी. बिजनेस के मुख्य रणनीति अधिकारी हैं। एशियावीक ने उन्हें दुनिया के टॉप २० प्रभावशाली व्यक्तियों में शामिल किया और टाइम मैगजीन ने दो बार उन्हें दुनिया के टॉप १०० प्रभावशाली व्यक्तियों में शामिल किया है। अजीम प्रेमजी ने अपने नेतृत्व में विप्रो को नई ऊंचाइयों दी और कंपनी का कारोबार २.५ मिलियन डॉलर से बढ़कर ७ बिलियन डॉलर कर दिया। आज विप्रो दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर आईटी कंपनियों में से एक मानी जाती है। फोर्ब्स मैगजीन ने उन्हें दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों की सूची में उनका नाम शामिल किया है और उन्हें भारत का बिल गेट्स का खिताब दिया है। यह मुस्लिम अरबपति है भारत का बिल गेट्स, इनके पिता ने ठुकराया था जिन्ना ये ऑफर भारत को दुनिया का सबसे शक्तिशाली उभरता हुआ अमीर देश माना जाता रहा है। भारत में बड़े बड़े करोड़पति और अरबपति लोग निवास करते हैं। भारत में सबसे

ज्यादा निवास करने वाली जनसंख्या हिन्दू समुदाय है, जो बहुसंख्यक है। इसके बाद देश में सबसे ज्यादा तादाद मुस्लिम है। आइये हम आपको भारत के सबसे पावरफुल, धान्शूर अमीर मुसलमान के बारे में बताते हैं। भारत के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति के बारे में बात करें तो सबसे पहले अजीज प्रेमजी का नाम आता है। प्रेमजी सबसे अमीर व्यक्ति में प्रथम स्थान रखते हैं। इनका जन्म २४ जुलाई १९४५ को बॉम्बे था। प्रेमजी भारत के व्यापार टायकून, निवेशक, दान करने वाले और विप्रो के पूर्व चेयरमैन रहे हैं। उनका परिवार कच्छ गुजरात में रहता था। उनके पिता प्रसिद्ध व्यापारी थे, उन्हें बर्मा में चावल का राजा के नाम से जाना जाता था। विभाजन के बाद, प्रेमजी के पिता मोहम्मद हाशिम को जिन्ना ने उन्हें पाक आने के लिया आमंत्रित किया था। लेकिन उनके पिता ने भारत में ही रहने का फैसला किया। अजीज प्रेमजी के पिता मोहम्मद हाशिम प्रेमजी के व्यापार के बारे में बात करते हैं। हाशिम प्रेमजी ने सर्वप्रथम गुजरात में चावल का व्यापार शुरू कर दिया। उनका यह व्यापार चल निकला। १९४५ तक वह एक प्रमुख चावल व्यापारी बन चुके थे। लेकिन अंग्रेजों की नीतियों की वजह से

उन्होंने व्यापार चेंज किया। उन्होंने एक ओर की शुरुआत २९ दिसम्बर १९४५ में की। उन्होंने महाराष्ट्र के जलगांव जिले के अमलनेर से पश्चिमी भारतीय सब्जी उत्पाद का निर्माण किया। जिसे आज विप्रो के नाम से जाना जाता है। शुरू में यह कम्पनी कुकिंग आयल बनाती थी, जिसका नाम सन फ्लॉवर वनस्पति रखा गया। बता दें, मुंबई से ४०० किलोमीटर दूर बसे जलगांव में उन्हें मोहम्मद सेठ के नाम से लोग जानने लगे। उनके यहां व्यापार करने से किसानों को अच्छा दाम मिलने लगा, छोटे व्यापारियों को बहुत फायदा होने लगा। उनकी ईमानदार छवि ने उनकी प्रसिद्धि और व्यापार को इतना आगे ले गई की आज उनकी कम्पनी विप्रो देश की सबसे बड़ी आईटी कम्पनी है। इन सब में सबसे खास बात यह रही की जिस साल हाशिम प्रेमजी की कम्पनी का गठन हुआ उसी साल अजीज प्रेमजी का जन्म हुआ। आज अजीज प्रेमजी को भारतीय आईटी सेक्टर के केजर के रूप में भी जाना जाता है। वह बीते ४ दशक से भी ज्यादा विप्रो के जिम्मेदार रहे हैं। उन्हें सॉफ्टवेयर उद्योग में विश्व में प्रमुख स्थान दिया जाता है। २०१० में वह एशिया के सबसे शक्तिशाली लोगों के लिस्ट में टॉप २० में रखा गया था। उन्हें २००४ में टाइम मैगजीन में भी शामिल किया था। वह इस मैगजीन में दुनिया के टॉप १०० शक्तिशाली लोगों में शुमार रहे हैं। इनकी २०१७ में कुल संपत्ति १९.५ अरब डॉलर थी, यह उस समय भारत के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति भी थे। अजीज प्रेमजी को भारत में सबसे ज्यादा दान करने वाला व्यक्ति माना जाता है।

कोरोना संकट बरकशर

कोरोना संकट के इस कठिन दौर में प्रधानमंत्री की मुख्यमंत्रियों से जो ताजा बातचीत हुई उसके बाद यह माना जा रहा है कि या तो लॉकडाउन खत्म करने का फैसला लिया जाएगा या फिर उसमें बड़े पैमाने पर छूट दी जाएगी। ऐसा कुछ करना इसलिए आवश्यक हो गया है, क्योंकि एक तो लॉकडाउन समस्या का समाधान करने के बजाय उसे बढ़ा रहा है और दूसरे, कारोबारी गतिविधियों को आगे बढ़ाने में भी बाधक बन रहा है। राज्य सरकारें इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकती कि उद्योग-धंधे चालू करने में तमाम तरह की बाधाएं आ रही हैं। विडंबना यह है कि इनमें से कई बाधाएं उनकी विभिन्न एजेंसियों की ओर से ही खड़ी की जा रही हैं। इससे इन्कार नहीं कि कोरोना वायरस के संक्रमण पर अभी रोक नहीं लगी है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि लॉकडाउन

न केवल अनिश्चितता को बल दे रहा है, बल्कि ऐसे सवाल भी खड़े कर रहा है कि जब कारोबारी गतिविधियों को आगे बढ़ाया जा रहा है तब फिर मजदूरों की वापसी का सिलसिला क्यों कायम है? यह सही है कि तमाम मजदूर अपने गांव-घर जाना चाहते हैं और उन्हें रोका नहीं जा सकता, लेकिन इस हकीकत से भी मुंह नहीं मोड़ा जाना चाहिए कि उनके बगैर कारोबार जगत का काम नहीं चलने वाला। कुछ राज्य इस पक्ष में हैं कि लॉकडाउन में अधिक ढील न दी जाए, लेकिन कहीं इसके पीछे मकसद यह तो नहीं कि किसी तरह की समस्याएं सामने आने पर उन्हें आलोचना का सामना न करना पड़े? कहीं ऐसा तो नहीं कि ऐसे राज्य लॉकडाउन को शिथिल करने से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का सामना करने से बचना चाह रहे हों? बड़ी बात नहीं कि ऐसे राज्य यह

सोच रहे हों कि जब आर्थिक नुकसान की भरपाई केंद्र सरकार को ही करनी है तो फिर वे अपनी ओर से लॉकडाउन को खत्म करने की मांग क्यों करें? राज्य सरकारों की जो भी सोच हो उन्हें यह ध्यान रखना चाहिए कि लॉकडाउन से बाहर निकलने का रास्ता आसान नहीं होने वाला। इस रास्ते के आसान होने की प्रतीक्षा करने से बेहतर है उसे सुगम बनाने के उपाय करना। निश्चित रूप से ये उपाय तभी कारगर साबित होंगे जब लॉकडाउन से निकलने की दिशा में बढ़ा जाएगा। उचित यह होगा कि मध्य मार्ग अपनाया जाए और हर स्तर पर सावधानी बरतते हुए लॉकडाउन से धीरे-धीरे बाहर निकलने की तैयारी की जाए। इस तैयारी में केंद्र और राज्यों को अपने हिस्से की भागीदारी का निर्वाह करने के मामले में तत्परता का परिचय देना चाहिए।

कोरोना की दहशत: मुंबई से 2000 काली-पीली टैक्सी और ऑटो यूपी-बिहार के लिए खाना



मुंबई। कोरोना वायरस का संक्रमण मुंबई में कहर बरपा रहा है। ऐसे में डरे सहमे प्रवासी घर जाना चाहते हैं लेकिन उनकी तादात इतनी ज्यादा है कि स्पेशल ट्रेनों में भी जगह कम पड़ रही है। ऐसे में लोग दूसरे साधन से घरों को खाना हो रहे हैं। वहीं अब मुंबई की हमसफर काली-पीली टैक्सी और ऑटो चालक भी अपना परिवार लेकर घर

के लिए निकल दिए हैं। मुंबई टैक्सी मैन यूनियन लीडर एएल कुर्दोस ने रविवार को दावा किया कि यूपी, बिहार के करीब 2000 काली पीली टैक्सी और ऑटो चालक अपने परिवार को लेकर मुंबई से खाना हो गए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक महीने से भी अधिक समय से सभी ड्राइवर्स की आमदनी बंद है। ऐसे में शहर में गुजारा करना

मुश्किल हो रहा है। चूंकि शहर में कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है, जिससे साफ है कि लॉकडाउन से फिलहाल राहत नहीं मिलने वाली है। ऐसे में आमदनी का जरिया दिखाई नहीं दे रहा है। अब काली पीली टैक्सी और ऑटो चालकों ने अपने होम टाउन जाने का फैसला किया है और वो अपने साधन से ही घर खाना हो रहे हैं।

काली पीली टैक्सी चालकों को दूसरे राज्यों में जाने का दें परमिट

मुंबई टैक्सी मैन यूनियन लीडर एएल कुर्दोस ने रविवार को मीडिया में यह घोषणा करते हुए कि राज्य परिवहन विभाग से कहा कि वह काली पीली टैक्सी चालकों को अन्य राज्यों के लिए परमिट दें ताकि सभी चालक अपने होमटाउन के लिए खाना हो सकें। उन्होंने कहा कि यूपी, बिहार, झारखंड और हिमाचल के बड़ी संख्या में ड्राइवर अपने घरों की ओर खाना हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि मुंबई शहर में 20,000 काली-पीली टैक्सी और दो लाख से अधिक ऑटो रिक्शा हैं। ऐसे में पलायन करने वाले ड्राइवर्स के कारण लॉकडाउन हटाए जाने के बाद पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर काफी असर पड़ेगा।

कोरोना प्रभावित महाराष्ट्र में 6 लाख वर्कर्स ने शुरू किया काम

मुंबई। महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री सुभाष देसाई ने सोमवार को कहा कि प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत 6 लाख लोगों ने लॉकडाउन में ढील दिए जाने के बाद काम काज शुरू कर दिया है। उद्योगों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के दौरान देसाई ने कहा कि राज्य में 25 हजार कंपनियों में काम काज शुरू हो चुका है। उन्होंने बताया, इन 25 हजार कंपनियों में काम करने वाले करीब 6 लाख कर्मचारी काम शुरू कर चुके हैं। अकेले पश्चिम महाराष्ट्र में 9 हजार 147 उद्योग हैं जिनमें काम काज



शुरू करने के लिए अनुमति मांगी है। इनमें से 5,774 कंपनियों ने काम काज शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि मुंबई, ठाणे, पुणे और पिंपरी चिंचवड में किसी भी उद्योग को शुरू करने की अनुमति नहीं दी गयी है क्योंकि ये सभी इलाके फिलहाल कोरोना के रेड जोन बने हुए हैं। मंत्री ने कहा कि हम काम शुरू कर कोई जोखिम नहीं उठा सकते हैं। मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार इस कोशिश में है कि प्रदेश के तमाम जिलों को जल्द से जल्द ग्रीन जोन में लाने का लक्ष्य पूरा हो सके।

कोरोना मरीजों की संख्या 23 हजार पार

मुंबई। कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित राज्य बन चुके महाराष्ट्र में सोमवार को एक बार फिर कुल 1230 नए केस सामने आए हैं। महाराष्ट्र में नए मामलों के साथ अब कोरोना के कुल मरीजों की संख्या 23401 हो गई है। सोमवार को महाराष्ट्र में कुल 36 मरीजों की कोरोना के कारण मौत हुई है। वहीं मुंबई में सोमवार को कुल 791 मामले रिपोर्ट किए गए हैं। राज्य सरकार के आंकड़ों के अनुसार, महाराष्ट्र में सोमवार को 587 मरीजों को



अस्पताल से ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मुंबई में सोमवार को कुल 791 मरीज पॉजिटिव मिले हैं। मुंबई में अब तक 14355 मरीज मिल चुके हैं। अच्छी बात ये है कि महाराष्ट्र भर में 587 मरीजों को अस्पताल में इलाज के बाद डिस्चार्ज किया गया है। अब तक राज्य में कुल 4786 मरीज डिस्चार्ज किए गए हैं। मुंबई में 567 कोरोना सदिग्धों को सोमवार शाम तक अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती किया गया है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

17 मई के बाद बढ़ेगा लॉकडाउन

उसी तरह 17 मई के बाद चौथे चरण में प्रवेश करने पर लॉकडाउन में कुछ और गतिविधियों की अनुमति दी जाएगी यह किसी और ने नहीं, बल्कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मीटिंग दौरान कहा। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की तरफ से जारी बयान के मुताबिक पीएम ने कहा, मेरा हृदय विश्वास है कि लॉकडाउन के पहले चरण में जिन नियमों की दरकार थी, वो दूसरे चरण में जरूरी नहीं रह गई। उसी तरह तीसरे चरण के नियमों की दरकार चौथे चरण के लॉकडाउन में नहीं है। प्रधानमंत्री के इस बयान से कोई सदिह नहीं रह जाता है कि लॉकडाउन की मियाद 17 मई के बाद भी बढ़ेगी और 18 मई से लॉकडाउन का चौथा चरण शुरू हो जाएगा। उम्मीद की जा सकती है कि जल्द ही चौथे चरण के लॉकडाउन की मियाद का ऐलान भी हो जाए। इनके अलावा, मुंबई की संस्था इंटरनैशनल इंस्टीट्यूट फॉर पापुलेशन साइंसेज (आईआईपीएस) की एक स्टडी में दावा किया गया है कि लॉकडाउन के कारण देश में कोरोना संक्रमण में उल्लेखनीय कमी आई है। इसमें दावा किया गया है कि अगर लॉकडाउन को 24 मई तक बढ़ाया जाता है तो इसके बढ़ने की दर एक से भी कम (0.975) रह सकती है। इसी

तरह अगर लॉकडाउन को 31 मई तक बढ़ाया जाता है तो यह दर 0.945 होगी। इन सभी के मद्देनजर संभावना जताई जा सकती है कि लॉकडाउन का चौथा चरण दो सप्ताह यानी 14 दिन का होगा जो 31 मई तक चलेगा।

उद्धव की डिमांड

उन्होंने इमर्जेंसी सेवाओं के लिए लोकल ट्रेन शुरू करने और जरूरत पड़ने पर सेंट्रल फोर्स की सहायता लेने की भी बात की। सीएम उद्धव ठाकरे ने चीन के वुहान का उदाहरण देते हुए कहा, कोरोना के मामले मई में शिखर पर पहुंच सकते हैं। ऐसा जून-जुलाई में भी हो सकता है। मैंने पढ़ा है कि वुहान ने फिर से कोरोना के केस आने लगे हैं, डब्ल्यूएचओ ने इसकी चेतावनी दी है। मेरी सलाह है कि लॉकडाउन पर कोई फैसला काफी सावधानीपूर्वक लिया जाए। पीएम मोदी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की गई बैठक में उद्धव ने कहा, मैं निवेदन करता हूं कि जरूरत पड़ने पर महाराष्ट्र को केंद्रीय बल भी देना चाहिए। यहां पुलिस पर भारी दबाव है और पुलिसकर्मी भी संक्रमित हो रहे हैं। महाराष्ट्र में एक हजार से अधिक पुलिसकर्मी कोरोना वायरस की चपेट में आ गए हैं, जिसमें से 7 की मौत हो गई है।

सोनू सूद ने मुंबई में फंसे प्रवासी मजदूरों के परिवहन की व्यवस्था की

मुंबई। अभिनेता सोनू सूद ने लॉकडाउन के कारण मुंबई में फंसे प्रवासी मजदूरों के परिवहन के लिए बसों की व्यवस्था की। अभिनेता ने प्रवासी मजदूरों की यात्रा और भोजन का पूरा खर्चा उठाया। कर्नाटक और महाराष्ट्र सरकार से अनुमति मिलने के बाद सोमवार को कुल 10 बसें कर्नाटक के गुलबर्गा के लिए खाना हुईं। सोनू सूद ने कहा कि उनका मानना है कि इस वैश्विक संकट के समय में हर भारतीय को उसके परिवार के साथ रहने का अधिकार है और इसलिए उन्होंने राज्य सरकार से अनुमति लेकर प्रवासियों को उनके घर जाने में मदद की। उन्होंने कहा, दस्तावेजीकरण से लेकर पूरी प्रक्रिया में महाराष्ट्र सरकार के अधिकारी काफी मददगार साबित हुए और कर्नाटक सरकार ने भी तहेदिल से प्रवासियों का उनके गृहराज्य में स्वागत किया। अभिनेता ने रमजान के पाक महीने में भिवंडी इलाके के जरूरतमंद लोगों को भोजन भी करा रहे हैं।

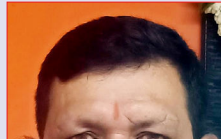




4 | **दैनिक मुंबई हलचल**
अब हर सब होगा उजागर

अब हर सच होगा उजागर

**अयोध्या पाठक ने दिंडोशी
विधानसभा में बांटा 600 लोगों
को राशन किट व 4000 मास्क**



अयोध्या पाठक का कहना है कि जब से लॉकडाउन हुआ है तभी से मैं दिंडोशी विधानसभा भाजपा का महामंत्री होने के कारण मैं सहयोग के कार्य में लगा हूं। श्री राजहंस सिंह (पूर्व आमदार) व श्री संतोष मेहता (अध्यक्ष उत्तर पंथक) के आदेशानुसार व मेरे मित्र पूर्व नगरसेवक ज्ञानमूर्ती शर्मा जी का भी मुझे सहयोग मिल रहा है। दिंडोशी विधानसभा में अभी तक मैं करीब 600 लोगों को राशन का किट दिया हूं और साथ ही 40000 मास्क का वितरण भी कर चुका हूं। अयोध्या पाठक (महामंत्री-दिंडोशी विधानसभा) का कहना है कि मैं ईश्वर से यही मांगता हूं कि मुझे इतना शक्ति दें कि मैं गरीब व मजबूर लोगों का सेवा कर सकूं।

कोरोना टेस्ट में भारी चूक, दूसरी बार में निगेटिव आए एअर इंडिया के पायलट

मुंबई में कोरोना टेस्ट में भारी चूक की खबर सामने आ रही है। एअर इंडिया के जो 5 पायलट कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। दूसरी बार को टेस्ट में निगेटिव पाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक दूसरी बार के टेस्ट में सभी पायलटों की टेस्ट रिपोर्ट में कोरोना होने का कोई जिक्र नहीं है। इसके बाद कोरोना टेस्ट पर सवाल खड़ा हो गया है। बता दें कि 10 मई को एअर इंडिया के 5 पायलटों और 2 तकनीकी कर्मचारियों को कोरोना पॉजिटिव पाया गया था। अब ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि इन सभी पायलटों की रिपोर्ट गलत आई थी। चार पायलटों की रिपोर्ट आ चुकी है, जिसमें उनको कोरोना निगेटिव पाया गया है अब पांचवें पायलट



के रिपोर्ट का इंतजार है। इसी के साथ ही अब इंजीनियर और टेक्नीशियन के नतीजों का भी इंतजार है। जो पहली जांच रिपोर्ट में पॉजिटिव आए थे। बता दें कि शनिवार को एयरलाइन के 77 पायलटों का प्राथमिकता के आधार

पर परीक्षण किया गया, जिसमें से 5 लोगों को पॉजिटिव पाया गया था। हालांकि सभी पांच पायलटों में कोरोना वायरस के कोई लक्षण नहीं थे। ये सभी पायलट मुंबई में होम आइसोलेशन में थे। इन पायलटों ने आखिरी बार बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान को उड़ाया था। उन्होंने विदेश में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए वंदे भारत मिशन के तहत ड्यूटी पर तैनात किया गया था। बता दें कि 7 मई से एअर इंडिया दुनिया के सबसे बड़े बचाव कार्यों में से एक में लगी हुई है, जिससे 12 देशों में फंसे 14,000 से भी अधिक भारतीयों को 7 दिनों में 64 उड़ानें भरकर देश वापस लाया जा रहा है। वंदे भारत मुहिम को पूरा करने में एअर इंडिया अहम भूमिका निभा रही है।

**लॉकडाउन दिनों को क्रिएटिव और प्रोडक्टिव बनाने के लिए...
एक्ट्रेस एकता जैन का मंत्र**

एकता जैन अपने फैन्स और फॉलोअर्स से लगातार संपर्क में हैं

एक्ट्रेस मॉडल एकता जैन बखूबी जानती हैं कि कोरोना काल और लॉक डाउन के आज के माहौल में भी कैसे अपने फैन्स से जुड़ना है! कोरोना का डर उनकी स्प्रिट को नहीं डुबो रहा है और वह अपने प्रशंसकों से जुड़कर अपना अधिकांश समय बिता रही हैं। उन्होंने हाल ही में मई दिवस या महाराष्ट्र दिवस, यहाँ तक कि गुजरात दिवस को भी एक अनोखे तरीके से मनाया, वह अपने प्रशंसकों के साथ लगातार विभिन्न सोशल मीडिया लाईव के माध्यम से जुड़ती रही हैं। एकता कहती हैं, हम जैसे एक्टर्स के लिए भी यह समय घर से काम करने का है। उनके हालिया मई दिवस के लुक को प्रशंसकों द्वारा बहुत पसंद किया गया था और उन्होंने बालों और मेकअप कलाकारों की सुविधा के बिना ऐसा लुक बनाने में बहुत गर्व महसूस किया। मैंने एक ऐसे लुक का चयन किया, जो कि भारत के विभिन्न हिस्सों का प्रतिनिधित्व करता है, जैसे मैंने महाराष्ट्र दिवस को ध्यान में रखते हुए वैसा ही लुक चुना था। मैंने टिपिकल महाराष्ट्रीयन नथ पहनी थी, मेरे कुर्ता में अबला का काम था जो गुजरात में बहुत प्रसिद्ध है क्योंकि वह गुजरात दिवस भी था। हमारी कई भारतीय महिलाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली बिंदी भी मैंने पहनी थी। वास्तव में मेरे फॉलोअर्स द्वारा इस लुक को काफी सराहा गया था।

एकता जैन ने उत्साहित होकर कहा। सोशल मीडिया निश्चित रूप से मशहूर हस्तियों को उनके प्रशंसकों के साथ जोड़ रहा है और एकता इन लॉकडाउन दिनों के दौरान एडवांस तकनीक का सबसे अधिक उपयोग कर रही है। एकता सोशल मीडिया पर अपने लाइव सेशन के बारे में विस्तार से बताते हुए कहती हैं हम लोगों का मनोरंजन करने वाले लोग हैं और लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए अब से बेहतर समय क्या हो सकता है? वह उन तरीकों को भी साझा करती है जिसमें कोई अपने लॉकडाउन दिनों को पूरा करने के साथ बिता सकता है। मुझे लगता है कि भगवान

ने हमें लॉकडाउन का यह शानदार उपहार दिया है क्योंकि हम अपने जीवन में इतने व्यस्त थे, चाहे पैसा या शोहरत कमाने की इस अंधी दौड़ में - कि हम वास्तव में उन चीजों को छिछोरे रह रहे थे जो वास्तव में मायने रखती हैं। मैं अपने फॉलोअर्स से आग्रह करता हूँ कि हम अपने परिवार के साथ खेल खेलकर, घर के कामों में माता-पिता की मदद करके, माताओं को सफाई और खाना पकाने में मदद करके इस लॉक डाउन पीरियड को निकाल सकते हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम घर पर ही सारा समय बिताएँ और बाहर सिर्फ उस समय ही जाएँ जब अति आवश्यक हो। और वह भी मास्क और दस्ताने के बिना नहीं एकता कहती हैं। इस बहुआयामी मॉडल, एंकर, पब्लिसिस्ट और अभिनेत्री ने



वास्तव में हाडवर्क के माध्यम से इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने प्ले और टीवी धारावाहिकों में अभिनय के साथ शुरुआत की और केबिन क्रू के रूप में जेट एयरवेज में शामिल होने के लिए इसे छोड़ दिया। उन्होंने इसके साथ दुनिया भर की यात्रा की और अंततः केबिन क्रू में सर्वोच्च पद पर पहुंच गई, फिर उन्होंने इन सभी को पीआर फर्म को चलाने के लिए छोड़ दिया। उन्होंने मॉडलिंग और एंकरिंग का काम शुरू कर दिया और अब आखिरकार अभिनय में लग गई हैं। विभिन्न भाषाओं में अलग अलग भूमिकाओं के अनुकूल खुद को ढालने की उनकी क्षमता एक दुर्लभ प्रतिभा है जिसे एकता ने सम्भाला है, शायद ऐसी क्षमता और टैलेंट ही है जिसने उनके टिक टॉक पर 7,39,000 फॉलोअर्स बनाए हैं और 8.7 मिलियन हार्ट्स को बहुत कम समय में प्राप्त किया है। उनकी नई हिंदी कॉमेडी हॉरर फिल्म खली बली की शूटिंग खत्म हो गई है और लॉकडाउन खतम होने के बाद रिलीज होगी।

एकता जैन को प्रमुख हिट शो जैसे शाका लाका बूम बूम, कहीं दिया जले कहीं पिया और शयुन के लिए जाना जाता है। जब उनसे पूछें कि वह अपने लोकडाउन के दिनों को कैसे व्यतीत कर रही है तो वह कहती है, 'ओह, मैं खाना बना रही हूँ और सफाई कर रही हूँ और अपने प्रशंसकों के साथ जुड़ रही हूँ।' मैंने एक दिन बेसन का लड्डू बनाया और वे इतने स्वादिष्ट बने कि हमने इसे दो दिनों में खत्म कर दिया। मैं घर में बहुत सफाई भी कर रही हूँ। मुझे अपने छोटे से बगीचे को मेंटेन रखने का मौका मिल रहा है इसलिए मैं ऐसी चीजें यहाँ ला रही हूँ जो रसोई में काम आती हैं जैसे कुछ हर्ब्स और टमाटर आदि। वेल डन एकता, वैसे यह लोकडाउन के दिनों को बिताने का काफी प्रोडक्टिव तरीका है।

दारुल उलूम फरंगी महल का फतवा

**नए कपड़े जरूरी नहीं, घर में
ही अदा करें नमाज-ए-ईद**

लॉकडाउन के दौरान ईद मनाने को लेकर दारुल उलूम फरंगी महल ने फतवा जारी किया है। इसमें कहा गया है कि ईद तक लॉकडाउन नहीं खुलता है तो ईद के दिन नए कपड़ों का इंतजाम करना जरूरी नहीं है। जो अच्छे कपड़े हों उन्हें ही पहनें। इसके साथ ही ईद की नमाज भी घर में अदा करें। फतवे को मौ. खालिद राशीद फरंगी महली, मौ. नसरुल्लाह, मौ. नईमुरहमान सिद्दीकी और मौ. मोहम्मद मुश्ताक ने संयुक्त रूप से जारी किया। 25 मई को ईद पड़ने की उम्मीद है। हालांकि पृष्ठ



चांद दिखने के बाद ही होगी।

कल्वे सादिक भी बोले - ईद सादगी से मनाएं
ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के उपाध्यक्ष मौलाना डॉ. कल्वे सादिक ने 25 मई को ईद-उल-फित्र होने का ऐलान किया है। उन्होंने कोरोना के खतरे को देखते हुए सादगी से ईद मनाने को कहा है। इसके साथ ही कहा कि तबलीगी जमात की गतिविधि देश के खिलाफ नहीं है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि जमात वालों से उनका कोई लेना-देना नहीं है।

फरंगी महली ने फतवे में ईद का जश्न मनाने को लेकर कुछ हिदायतें भी लिखी हैं। फतवे में आगे कहा गया है कि बाकी सभी लोग अपने घरों पर ही नमाज अदा करें। घर के 4 लोगों में एक व्यक्ति इमामत कर नमाज पढ़ ले। ईद की नमाज आपके घर में हो जाएगी। कोई किसी के घर पर मिलने ना जाए, घर पर ही खुशियां मनाएं। ना किसी के गले मिलें, ना हाथ मिलाएं। इसके साथ फरंगी महली ने लोगों से कहा कि **ईद की नमाज में अल्लाह से दुआ करें कि कोरोना से मुक्ति दें।**

अपने घरों पर ही नमाज अदा करें।

खात्मे के लिए दुआएं करें।

ईद के दिन आम लोगों से कैसे मिलें?

ईद की नमाज का तरीका यह है कि तकबीर तहरीमा के बाद सना पढ़ें। इसके बाद दो तकबीर कहें, हर बार कानों तक हाथ उठाएं और छोड़ दें फिर तीसरी तकबीर कहें और हाथों को कानों तक उठा कर नियत बांध लें। इसके बाद सूरह फ़ातिहा और कोई सूरा पढ़ें। पहली रकआत पूरी करें। दूसरी रकआत में सूरह फ़ातिहा और कोई सूरा पढ़ कर तीन बार तकबीर कहें और हर बार कानों तक हाथ उठाएं और छोड़ दें। चौथी तकबीर में बिना हाथ उठाएं रूकू में चले जाएं। बाकी नमाजी भी ऐसा ही करें।

स्वतंत्रता पढ़ा जाएगा या नहीं?

अगर किसी घर में चार मर्द न हों तो चार रक्आत चाशत की नमाज नफिल पढ़े।

ईद की खुशियां कैसे मनाएं?

ईद के दिन घर वालों के साथ खुशियां मनाए, सिवइयां खाएं, रिश्तेदारों, दोस्तों और पड़ोसियों को फोन पर मुबारकबाद दें और अपने घर में ही रहें। लोगों से दूरी बनाए रखें और गरीबों की मदद करें। नमाज के बाद इस बीमारी के जल्द से जल्द

સવાલ-જવાબ

लॉकडाउन में ईद उल फ़ित्र की तैयारी कैसे की जाए?
ईद के दिन नए कपड़ों का इंतजाम करना जरूरी नहीं है।
इसलिए जो सबसे अच्छे कपड़े हों उन्हीं को पहन लिया जाए।

ईद की नमाज कैसे और कहां पढ़ी जाए?

ईद की नमाज तक अगर मस्जिदें नहीं खुलती हैं, तो जैसे अब तक इمام, मुअज्जिन के साथ तीन लोग नमाज अदा कर रहे थे वैसे ही ईद की नमाज भी अदा करें। ईद की नमाज के लिए इمام के साथ तीन मर्द का होना जरूरी है। बाकी लोग

WonderFul! रेत से बना है यह खूबसूरत होटल लेकिन 1 दिन का किराया उड़ा देगा आपके होश!

बचपन में अक्सर हम लोग मिट्टी या रेत से घर या खिलौने बनाया करते थे, लेकिन आज हम एक ऐसे होटल के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे रेत से बनाया गया है। वैसे तो आप कई लग्जरी और महंगे होटलों में ठहरे भी होंगे लेकिन रेत से बने होटल में रहना किसी रोमांच से कम नहीं है। अगर आप भी रेत से बने इस खूबसूरत होटल का नजारा लेना चाहते हैं तो आज हम आपको इसकी लोकेशन और इसके कुछ नियम भी बताएंगे, जिनके बारे में जानकर ही यहां विजिट करें। यह होटल नीदरलैंड के ऑस और स्नीक



के डच टाउन में स्थित है, जिसका नाम Zand Hotel है। रेत से बना होने के कारण यह आने टूरिस्टों की खास पसंद बन चुका है। यह होटल बाहर से जितना खूबसूरत और अट्रैक्टिव लग रहा है, उतना ही अंदर से दिखता है। टूरिस्टों को यहां लाइट, पानी, टॉयलेट और वाई-फाई जैसी सभी सुविधाएं दी जाती हैं, जो एक लग्जरी होटल में होती हैं। होटल ग्रुप ने रेत से वन बेडरूम के दो होटल बनाए हैं। होटल के बेडरूम से लेकर बाथरूम तक सब कुछ रेत से ही बनाया गया है। आपको बता दें कि नीदरलैंड के मूर्तिकारों

ने इस होटल को करीब सैकड़ों टन रेत की मदद तैयार किया है। आपको बता दें कि यहां सैंड के तौर पर फ्राइस लैंड और ब्रेबेंट सैंड स्कल्पचर नाम एक फेस्टिवल भी होता है, जिसे बड़ी धूम-धाम से बनाया जाता है। इस होटल को नीदरलैंड के सबसे खूबसूरत होटलों की लिस्ट में शामिल किया गया है। अगर आप भी जानना चाहते हैं तो आपको यहां ठहरने के लिए 168 डॉलर यानी की भारतीय मुद्रा के अनुसार 11 हजार रुपये खर्च करने होंगे। इस होटल में बहुत ही सुंदर-सुंदर कलाकृतियां रेत पर बनी हुई हैं।

मुंबई हलचल राशिफल

-आचार्य परमानंद शास्त्री

मेघ: जल्दबाजी से बचें। कुसंगति से हानि होगी। चोट व रोग से बाधा संभव है। कीमती वस्तुएं सभालकर रखें। धैर्य रखें।

वृष: प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन: संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे।

कर्क: रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। आय बढ़ेगी।

सिंह: उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। बुरी खबर मिल सकती है। बेचैनी रहेगी। व्यवसाय घीमा चलेगा।

कन्या: मेहनत का फल मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। व्यवसाय व यात्रा लाभकारी रहेगी।

तुला: उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। पुराने संगी-साथियों से भेंट होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी अनुकूल रहेगी।

वृश्चिक: यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता मिलेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी।

धनु: फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। मानसिक बेचैनी रहेगी। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा।

मकर: रुका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में अधिकार वृद्धि होगी।

कुंभ: नकारात्मक सुधरेगी। योजना फलीभूत होगी। आय में वृद्धि होगी। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। प्रमाद न करें।

मीन: राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। धनप्राप्ति सुगम होगी।

यूरोप के इस खूबसूरत पैलेस से आप भी नहीं हटा पाएंगे नजरें

बहुत से लोग हैं, जो अपने देश के बजाए विदेशों में घूमना पसंद करते हैं। अगर आप भी विदेश का वीजा लगवा चुके हैं तो आपको वहां घूमने के लिए बैस्ट जगहों के बारे में भी पता होना चाहिए। अगर यूरोप घूमने के सपने देख रहे हैं और आपका यह सपना पूरा भी होने वाले है तो आज हम आपको यूरोप के एक ऐसे प्लेस के बारे में बताएंगे, जहां घूमना बिल्कुल भी न भूलें। वैसे तो यूरोप के महल और किले लाखों पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, इनकी शानदार वास्तुकला यूरोप की समृद्ध परंपरा और संस्कृति का उदाहरण है। वहीं पेना नेशनल पैलेस की वास्तुकला नव-गोथिक, नियो-मैनुएलिन, इस्लामी और नव-पुनर्जागरण शैलियों का मिश्रण है। अगर बात यूरोप के बैस्ट पैलेस की करें तो पेना नेशनल पैलेस पुर्तगाल का सबसे



मशहूर और ऐतिहासिक है। पेना नेशनल पैलेस पुर्तगाल के सिन्त्रा शहर में स्थित सिनटेरा की पहाड़ियों के बीच में बनाया गया

है। 1493 में पुर्तगाल के राजा जॉन द्वितीय ने इसे सुरक्षित किले के तौर पर पहाड़ियों के बीच में बनवाया था, जिसमें डिज़्नीलैंड

जैसे डिजाइन में रोमांस के कई प्रतीक देखे जा सकते हैं।

हालांकि यह महल 1755 में आए लिस्बन भूकंप के बाद ये महल थोड़ा क्षतिग्रस्त हो गया था, लेकिन फिर किंग फेडी ने इसे फिर से एक खूबसूरत महल में तब्दील कर दिया। इस शानदार महल को यूनेस्को ने ऐतिहासिक महलों में जगह दी है, जो पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है।

इस महल में 19वीं सदी की वास्तुकला की रोमांटिक शैलियों की बेहतरीन उदाहरण देखने को मिलती है। 1995 में पेना पैलेस को UNESCO World Heritage की सूची में शामिल किया गया है। अगर आप भी यूरोप जा रहे हैं तो इस पैलेस की खूबसूरती जरूर देखें, जो हर किसी को मोह लेती है। आप चाहे तो अपनी फैमिली के साथ वीकेंड प्लान भी यहां का बना सकते हैं।

यह है भारत की वो पहली महिला पायलट जिन्होंने साड़ी पहनकर उड़ाया था विमान

पुराने समय में औरतों को घर से बाहर निकलने की भी इजाजत नहीं होती है। ऐसे में किसी महिला का विमान उड़ाना बहुत हैरानी की बात है लेकिन सरला ठकुराल एक ऐसा नाम है, जिन्होंने 21 साल की उम्र में अपनी साड़ी का पल्लू संभालते हुए जिप्सी मॉथ नामक विमान चलाया। इसी के साथ सरला ठकुराल भारत की पहली महिला पायलट बनीं। जिन्होंने साल 1936 में लाहौर हवाई अड्डे पर दो सीटों वाले जिप्सी मॉथ विमान को चलाया। वह पहली भारतीय महिला विमान चालक होने के साथ तब एक चार साल की बेटे की मां भी थीं। सरला का जन्म 15 मार्च को नई दिल्ली में हुआ था। उन्होंने 1929 में दिल्ली में खोले गए फ्लाईंग क्लब

में विमान चलाने की ट्रेनिंग ली। इस ट्रेनिंग में ही उन्होंने एक हजार घंटे का अनुभव भी लिया। इसी के साथ वह ह्यअल्ल लाइसेंस प्राप्त करने वाली



पहली भारतीय महिला बनीं। इसी दौरान दिल्ली के फ्लाईंग क्लब में उनकी मुलाकात पी. डी. शर्मा के साथ हुई, जो खुद एक व्यावसायिक

विमान चालक थे। उनके साथ सरला ने शादी कर ली। शादी के बाद उनके पति ने सरला को व्यावसायिक विमान चलाने के लिए प्रोत्साहित किया। पति

का साथ और प्रोत्साहन पाकर वह जोधपुर फ्लाईंग क्लब में ट्रेनिंग लेने लगीं। फिर उन्होंने 1936 में पहली बार जिप्सी मॉथ नाम का विमान

उड़ाया और पहली भारतीय विमान चालक बनीं। साल 1939 सरला के लिए बहुत दुख भरा रहा। जब वह कर्माश्रित पायलट लाइसेंस लेने के लिए कड़ी मेहनत कर रही थी, तब दूसरा विश्व युद्ध छिड़ गया। फ्लाईंट क्लब बंद हो गया और फिर उन्हें अपनी ट्रेनिंग भी बीच में ही रोकनी पड़ी। इससे भी ज्यादा दुख की बात यह रही कि इसी साल एक विमान दुर्घटना में उनके पति का देहांत हो गया। इस हादसे ने उनकी जिंदगी बदल दी। पति की मौत के समय वह लाहौर में थी और तब उनकी उम्र सिर्फ 24 साल की थी। वहां से सरला वापिस भारत आ गईं और मेयो स्कूल ऑफ आर्ट में दाखिला ले लिया। जहां उन्होंने बंगाल स्कूल ऑफ पेंटिंग

सीखी और फाइन आर्ट में डिप्लोमा भी किया। भारत का विभाजन होने के बाद सरला अपनी दो बेटियों के साथ दिल्ली आ गईं। यहां पर उनकी मुलाकात पी.पी. ठकुराल के साथ हुई। ठकुराल ने उनके साथ 1948 में शादी कर ली। यह सरला की जिंदगी की दूसरी पारी थी। जिंदगी की इस दूसरी पारी में सरला सफल उद्गमी और पेंटर बनीं। वह कपड़े और ज्वेलरी डिजाइन करती थी, वह अपनी डिजाइन की हुई चीजों को कुटीर उद्योगों को देती रहीं। 15 मार्च 2008 में उनकी मौत हो गई। सरला ठकुराल का पहली भारतीय पायलट बनना और बाद में आर्ट के साथ जुड़ना हर महिला को प्रेरित करता है।



थायराइड की वजह से बढ़ रहा है वजन तो ऐसे करे कम

आजकल के बिजी शेड्यूल और खान-पान की बदलती आदतों के कारण लोगों में थायराइड की समस्या बढ़ती जा रही है। थायराइड के कारण कुछ लोगों का वजन इतना बढ़ जाता है कि उनके लिए कोई भी काम करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में मोटापा कम न होने के कारण थायराइड के साथ-साथ आपको कई ओर प्रॉब्लम का सामना भी करना पड़ सकता है। आइए जानते हैं इसके कारण बढ़ रहे मोटापे को आप कैसे कम कर सकते हैं।

1. एल्कोहल का सेवन

थायराइड की परेशानी होने पर एल्कोहल का सेवन करने से भी आपका मोटापा बढ़ जाता है। इसके अलावा इससे आपका एनर्जी लेवल कम हो जाता है और रात को नींद न आना, बेचैनी और घबराहट जैसी समस्याएं हो जाती हैं।

2. समय पर दवाई लेना

थायराइड की दवा नियमित और सही समय पर लेने से आपका वजन नहीं बढ़ता। कुछ लोग थायराइड की समस्या को मामूली समझ कर इग्नोर कर देते हैं। इसमें दी

जाने वाली एंड्रएक्टिव दवाओं से वजन कम करने में मदद मिलती है। इसलिए इनका सेवन जरूर करें।

3. हेल्दी भोजन

थायराइड में वजन कम करने के लिए रोजाना समय पर हेल्दी भोजन लें। अपने भोजन में सब्जियां और फल को शामिल करें। इसके अलावा वसायुक्त डेयरी उत्पादों और प्रोटीन खाद्य पदार्थों का सेवन न करें।

4. नियमित व्यायाम

इस बीमारी के कारण बढ़ रहे मोटापे को कम करने के लिए

नियमित व्यायाम करें। सप्ताह में कम से कम पांच दिन तीस मिनट रोज व्यायाम या स्विमिंग करने से आपका मोटापा गायब हो जाएगा।

5. जूस पीना

थायराइड में चाय का अधिक सेवन करने से भी मोटापा बढ़ जाता है। इसके बजाए आप रोजाना चुकंदर, अनानास और सेब से बना जूस पी सकते हैं। रोजाना इसे पीने से आपका मोटापा भी कम हो जाएगा और आपको एनर्जी भी मिलेगी।

लहसुन का अधिक सेवन करने से होती हैं ये बीमारियां

लहसुन का इस्तेमाल लगभग हर घर में किया जाता है। इससे खाने का स्वाद दोगुना हो जाता है। लहसुन में कई तरह के एंटीबैक्टीरियल गुण भी होते हैं जो सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं लेकिन इसका अधिक मात्रा में सेवन करने से शरीर को नुकसान भी पहुंचता है। आज हम आपको लहसुन से होने वाले साइड इफेक्ट्स के बारे में बताएंगे।

1. लीवर को नुकसान

शरीर के सभी अंगों को सही तरीके से चलाने के लिए लीवर का अहम काम है। ऐसे में लीवर का स्वस्थ होना बहुत जरूरी है लेकिन लहसुन का अधिक सेवन करने से लीवर को नुकसान पहुंचता है। लहसुन में मौजूद ऑक्सालेट गुण शरीर में विषैले पदार्थों को

एकत्रित कर देते हैं जो लीवर पर बुरा असर डालते हैं।

2. सांसों की बदबू

अक्सर देखा जाता है कि लहसुन को जब कच्चा खाया जाता है तो मुंह में से बदबू आने लगती है जो थोड़ी देर बाद ठीक हो जाती है लेकिन जब रोजाना और ज्यादा मात्रा में लहसुन खाया जाए तो हमेशा के लिए सांसों में से बदबू आने लगती है। इसमें कुछ कैमिकल होते हैं जो मुंह की बदबू का कारण बनते हैं।

3. जी मचलाना

कुछ लोग एसिडिटी से बचने के लिए सुबह खाली पेट लहसुन की 2 कलियां खाते हैं लेकिन खाली पेट इनका सेवन करने से



उल्टी, जी मचलाना या सीने में जलन की समस्या हो जाती है।

4. एक्जिमा

खाने में लहसुन का अधिक इस्तेमाल करने से त्वचा संबंधी कई समस्याएं हो जाती हैं। इन्हीं में से एक है एक्जिमा, जिसमें स्किन लाल हो जाती है और रैशेज पड़ जाते हैं। लहसुन में एलिथिन लाइसे एंजाइम होता है जिससे त्वचा पर जलन होने लगती है।

आखिर क्यों पड़ते हैं आंखों के नीचे डार्क सर्कल?

डार्क सर्कल्स की समस्या किसी एक की नहीं, बल्कि बहुत सी महिलाओं की है। इससे आंखें भी बेकार लगने लगती हैं। महिलाएं डार्क सर्कल्स को दूर करने के लिए तरह-तरह के ट्रीटमेंट तो अपनाती हैं लेकिन इनकी वजह जानने की कोशिश नहीं करती। अगर आपको डार्क सर्कल्स के कारण पता होंगे, तभी आप इस समस्या से हमेशा के लिए छुटकारा पा सकती हैं। अधिकतर लोगों का मानना है कि पर्याप्त नींद न लेने की वजह से आंखों के नीचे काले घेरे पड़ जाते हैं लेकिन इसके अलावा भी बहुत से कारण हैं जो डार्क सर्कल्स को बढ़ावा देते हैं।

►► मेकअप

आंखों के नीचे की स्किन काफी मुलायम और पतली होती है, जिसपर एलर्जी होने का खतरा बना रहता है। जब आप आईमेकअप प्रॉडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं तो भी आंखों के नीचे की स्किन काली पड़ जाती है।

►► बीमारी

डार्क सर्कल्स का कारण एनीमिया और किडनी में गड़बड़ी भी हो सकती है। जब शरीर में खून की कमी होने लगती है तो आंखों के नीचे डार्क सर्कल पड़ने लगते हैं।

►► थकान और अनिद्रा

यदि आप सारा दिन शारीरिक और मानसिक रूप से काम करते हैं तो भी आंखों के नीचे काले



घेरे पड़ सकते हैं। इसके अलावा पर्याप्त नींद न लेना भी इसका कारण है।

►► पानी की कमी

दिन में पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से चेहरे का ग्लो बढ़ता है। अगर आप कम पानी पीती हैं तो इससे चेहरे पर पिंपल्स और डार्क सर्कल्स नजर आने लगते हैं। इसलिए बेहतर ही की दिन में कम से कम 7-8 गिलास पानी पीएं।

►► पिगमेंटेशन

तेज धूप में ज्यादा समय बिताने से स्किन पर डार्क स्पॉट पड़ जाते हैं। इसी वजह से आंखों के नीचे भी डार्क रंग के घेरे पड़ जाते हैं। इसलिए धूप में जाने से पहले चश्मा जरूर पहनें।

►► खराब लाइफस्टाइल

खराब लाइफस्टाइल भी डार्क सर्कल्स को बढ़ावा देता है। अगर आप ज्यादा धूम्रपान या शराब का सेवन करते हैं तो इस समस्या से गुजरना पड़ सकता है।

अकेले होने पर आ जाए हार्ट अटैक तो इस तरह करे इलाज

डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हाई कोलेस्ट्रॉल और थायराइड के मरीजों को दिल के दौरा का खतरा सबसे ज्यादा होता है। ऐसे में घर पर किसी के न होने पर दिल का दौरा पड़ने से आपकी जान भी जा सकती है। इसलिए इस तरह के मरीजों के लिए सावधानी बरतना बहुत जरूरी होता है। आज हम आपको ऐसे उपाय बताते हैं जिससे अकेले में दिल का दौरा पड़ने पर आप खुद भी कर सकते हैं।

दिल के दौरे के संकेत

इसके उपाय जानने से पहले इसके लक्षण जानना आपके लिए बहुत ही जरूरी है। अगर आपको सीने में दर्द, भारीपन, बाजू, गर्दन, जबड़े, पीठ और पेट में दर्द महसूस हो तो ये दिल के दौरे का संकेत हो सकता है।

ऐसे करें अकेले इलाज

साने में तेज दर्द शुरू होने के बाद यह धीरे-धीरे आपके कंधे और जबड़ों में जाता है और आप बेहोश हो जाते हैं। अगर आपके सीने में दर्द हो

रहा है तो सबसे पहले को एम्बुलेंस को कॉल करें। कॉल करने के बाद आप आराम से कुर्सी पर बैठ जाएं और अगर आपने टाइट कपड़े पहने हैं तो उसे उतार दें।

गहरी और लंबी-लंबी सांस लेते रहें ताकि फेफड़ों में ऑक्सीजन की कमी न हो। अगर घर में अगर ऐस्पिरिन है तो उसे चबा लें।

नाइट्रोग्लिसरीन की 1 गोली जीभ के नीचे रख लें। अगर दर्द कम नहीं होता तो 15 मिनट बाद एक ओर गोली जीभ के नीचे रख लें।



अर्जुन कपूर ने पूरे किए आठ साल

एक्टर अर्जुन कपूर ने बॉलीवुड में बहुत कम समय में अपनी अलग पहचान बना ली है। अर्जुन कपूर को फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किए आठ साल हो गए हैं। उन्होंने अपने छोटे से करियर में कई हिट फिल्मों की हैं। 11 मई को उनकी डेब्यू फिल्म 'इश्कजादे' की रिलीज के आठ साल पूरे हो गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर बहुत ही फनी अंदाज में इस बात की जानकारी दी है। अर्जुन कपूर ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें फिल्म के कई पोस्टर और कई स्टिल सीन दिख रहे हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा, इस साल, छोकरा हुआ घर बैठे बैठे जवान। बता दें कि फिल्म 'इश्कजादे' में अर्जुन कपूर के साथ परिणीति चोपड़ा थीं। अर्जुन कपूर मलाइका अरोड़ा के साथ रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में रहते हैं। सोशल मीडिया पर दोनों आए दिन एक-दूसरे के पोस्ट पर कॉमेंट करते रहते हैं। इसके अलावा दोनों वकेशन और डेट्स पर स्पॉट होते रहते थे।

भारत से अमेरिका पहुंचीं सनी लियोनी, बोलीं- यहाँ रहूंगी सुरक्षित

कोरोना वायरस का खतरा दुनियाभर में मंडरा रहा है और ऐसे में सभी को घर में रहने और ट्रेवल ना करने की हिदायत सरकार से मिल रही है। लेकिन एक्ट्रेस सनी लियोनी कोरोना के बीच भारत से यूएस चली गई हैं। अपने साथ सनी अपने पति डेनियल वेबर और बच्चों को भी ले गई हैं। सनी लियोनी ने मदर्स डे पर पोस्ट लिख सभी को इस बारे में बताया। उन्होंने लिखा, सभी मॉम्स को हैप्पी मदर्स डे। जब आपकी जिंदगी में बच्चे आ जाते हैं तो आप अपनी प्राथमिकताओं और ख्याल को पीछे छोड़ उनके बारे में सोचते हैं। डेनियल वेबर और मैं अपने बच्चों को वहाँ लेकर आए हैं जहाँ हमें लगता है कि वो इस अहश्य वायरस कोरोना से ज्यादा सुरक्षित करेंगे। घर से दूर हमारे एक घर जो लॉस एंजलिस में है। मुझे पता है मेरी मां मुझे यही करने को कहती। मां आपको याद करती हूँ मां। सनी के अलावा उनके पति डेनियल वेबर ने कैलिफोर्निया से अपनी फोटो शेयर की है। उन्होंने कमेंट में बताया कि वो गोवत फ्लाइट से विदेश गए हैं। यहाँ उनके फैन्स ने उनकी वापसी पर खुशी भी जताई।

जब शाहिद ने कहा था, 'मेरी और करीना की ऑनस्क्रीन जोड़ी बहुत खराब है'

शाहिद कपूर और करीना कपूर खान एक दौर में बॉलीवुड के चर्चित कपल में शुमार थे। हालांकि दोनों ने ब्रेकअप के बाद अपने घर-परिवार बसा लिए हैं लेकिन आज भी शाहिद और करीना के फैस उनकी केमिस्ट्री को काफी पसंद करते हैं। हालांकि शाहिद कपूर इस बात से सहमत नहीं हैं और वे एक इंटरव्यू में कह चुके हैं कि उनकी और करीना की ऑनस्क्रीन जोड़ी काफी खराब लगती थी। बता दें कि दोनों स्टार्स ने फिदा, 36 चाइना टाउन, चुपचुप के और जब वी मेट जैसी फिल्मों में काम किया है। शाहिद ने कहा था वे पर्सनल स्तर पर प्रियंका चोपड़ा और अमृता राव के साथ अपनी केमिस्ट्री को ज्यादा पसंद करते हैं। उन्होंने कहा था, करीना और मैं अपनी शुरुआती कुछ फिल्मों में काफी खराब लगते थे। हालांकि जब वी मेट एक बहुत अच्छी फिल्म थी और इस फिल्म के किरदारों को लोगों ने काफी पसंद किया था और ये लोगों के दिलों में बसी रह गई लेकिन मुझे लगता है कि मेरी जोड़ी सोनाक्षी, प्रियंका, अमृता और फिर करीना के साथ ठीक लगती थी। बता दें कि उस दौर में शाहिद कपूर के अफेयर की खबरें प्रियंका चोपड़ा और अमृता राव के साथ भी आती रही थीं।

